११ आगा पठं चेकेर लेल निर्भयसे हमर जेने होये। काहेका तो
हरन्हिके देखैलेल आउर तोहरन्हि कायम होअह् एक
रैलेल कछुया परमार्थकेर सामर्थ तोहरन्हिके देवैलेल अर्थात
तोहरन्हिके आउर हमरा बिश्वाससे तोहरन्हिका साथ
१२ तसल्ला होअैकेर हमरा बडा इछा हय। हे भाइन्हि हम
चाहैछी नहि का तोहरन्हि अजान रहह् का जैसन आउर
देशिन्हका बीचमे हमरा लाभ हय तैसहि तोहरन्हिका
बीचनेभो का हम कछु लाभ पाई एकरैलेल तोहरन्हिका
१३ नजीक आईलेल हम बार२ स्थिर केलहो परन्तु अखनो लगि
१४ अटकाव भेल। हम ग्रीक आउर मेलछ यिहूदुनुकेर आउर
१५ पंडित आउर मुर्खन्हिकेर करजदारछी। एकरलेलहम
अपना सखदूरल ग रुमी तोहरन्हिका आगाभो मंगल सा।
१६ चार खबर करैलेल तैयार छी। हम ख्रीष्टका मंगल समाचा
रका बिषयमे लजाल छी नहि काहेका यिहूदी ग्रीक वगैरह्
अतला बिश्वास करनिहर उन्हकन्हिका आगा उध्दह् उ
१७ द्धारकेर लेल ईश्वरी करामत। काहेका ओकरामे ईश्वर
केर ये धर्म्म बिश्वाससे होहय उअह् धर्म्म बिश्वासकेर लेल
प्रत्यक्ष हय काहेका जैसन् लिखल हय धर्म्मी बिश्वाससे
१८ बचता। काहेका ये अदमी अधर्म्मका बंधनसे सचोटाइके
बांध रखथि उन्हकन्हिकेर सभे बेटहल आउर गरउचित
कामकेर मुद्धियपनमे ईश्वरकेर गोसा सर्गसे प्रत्यक्ष हय।
१९ काहेका ईश्वरके येर जानल जाय उअह् उन्हकन्हिका बीचमे
प्रतक्ष हथि काहेका ईश्वर उन्हकन्हिके देखौलकैखन्ह।
२० काहेका ओकर येर बेदेखल अर्थात् ओकर अपार पराक्र
म आउर ईश्वरपन केल चिजन्हिसे संसारकेर जन्मलाका
बेरिमे अछा तरहसे जानल जाहय ओकरैलेल उन्हकन्हि
२१ का उजुर करैकेर राहि नहि छैखन्। काहेका उन्हक
न्हि ईश्वरके जानकरिकेभो ईश्वरकेर जैसन् ओकर मर्याद

कैलकेखन् नहि आउर स्तुति करनिहारन्हियो नहि भेला
किन्तु अपना रेकातोकोसे व्यर्थ भेला आउर अपन बोराह्
२२ मन अंधार भेल। उन्हकन्हि अपनाके अक्कोलगर मान
२३ करिके बेअकुफ भेला। आउर बिनाशी अद्मी आउर
पछी आउर चरगोडा आउर पेटसे चलनिहार आन्
वरन्हकेर मुरतिमे अबिनाशी ईश्वरका तेजकेर बदला केल
२४ खन्। एकरैलेल उन्हकन्हि अपना मनकेर इच्छासे ईश्वर
लूअपनामे उन्हकन्हिके छोडदेलकैखन् का उन्हकन्हि अप
२५ नार देहकेर परस्पर बेइज्जत करथि। का जिन्हकन्हि
ई[illegible]रका बातकेर सचे टाइका बदलसुरतमे झुठ बात कबूल
कैलखन् आउर जन्मौनिहारकेर भजन आउर टहलासे ब
नावल चीजकेर भजन आउर टहल कैलखन् उअह् जन्मौ
२६ निहार सच्चिदानंद आमिन। ओकरैलेल ईश्वर उन्हकन्हिके
छेंठे प्रेममेभी छोडदेलकैखन् काहेका उन्हकन्हिकेर मेहराह
न्हि सरीरकेर व्यवहार छोडकरिके विरुद्ध व्यवहार कैल
२७ खन्। मर्दन्हि मेहराहन्हिकेर संसर्ग छोडकरिके मर्द मर्द
का साथे बदकाम करैतथि छिनरपन्से जरला आउर अप
२८ नार भ्रमकेर उचित फल पैलखन्। आउर जैसन् उन्हकन्हि
अपना ज्ञानमे ईश्वरका रखैकेर यत्न कैलखन् नहि तैसन्
उन्हकन्हि सगरो बेसाधु आउर छिनरपन् आउर बदख्वा
ही आउर लालच आउर देषसे पूर्ण होकरिके आउर
बददिमागी आउर खून आउर झगरा आउर दगाबाजी
२९ आउर कूटोलपनसे पूर्ण होकरिके आउर कनफुसी करनि
हारन्हि आउर चुगलखोर आउर ईश्वरके घिनौनिहार
आउर बुराकरनिहार आउर अहंकार करनिहार आउर
खोद परसिन्द आउर बूरा कामकेर जन्मौनिहार आउर
३० महतार महतारिकें नहि माननिहार। आउर बेअकुफ

आउर नियम लंघनिहार आउर शारिरिक प्रेम छोडि आ
३१ उर निर्दय आउर मायारहित होकरिके गरउचित करैलेल
३२ ईश्वर उन्हकन्हिके मुर्खपनामे छोड देलकैखन्। येर
अद्‌मी यिह् तरह्‌केर काम करहथि उन्हकन्हि मारैला
यकहथि उन्हकन्हि ईश्वरकेर यिह् तजबीज जानिकरिके
खाली अपनही यिह् काम ये करहथि से नहि किन्तु यिह्
तरह्‌केर काम करन्हिहारनिपरे खोश होहथि।

२ दोसरा पर्ब्ब।—यकरैलेल हे तजबीज करनिहार अद्
मी येकेउ हह् तोहरा उजर करैकेर राहि नहि हय का
हेका तोह तजबीजमे दोसराके दोषी करिके उअह् विषय
मे अपनहके दोषी करहह् काहेका हे तजबीज करनिहा
२ र तोह अपने उहे काम करहह। किन्तु हमरन्हि जानही
का उअह डौलकेर काम करनिहारन्हिकेर बिरोध ईश्वरकेर
३ बिचार सचौटाइका माफिक् हय। हे अद्‌मी तोह यिह्‌तरह्
केर कामकरनिहारन्हिकेर तजबीज करिके जैयो अपने
उहे काम करथि तैयो तोह् का ठहरावहह का ईश्वरका
४ विचारसे तोह बचबह्। ईश्वरकेर छेमा का तोहरा तो
षाह् करैकेरलेल राहि देखावहथि तोह् यिह नहि जानि
करिके ओकर दयातरह् संपत आउर छमातरह् आउर
५ ढेर दिनलगि बरदास्त का तुच्छकरिके जानहह्। किन्तु ई
श्वरकेर गजब आउर हक तजबीज प्रत्यक्ष करैलेल दिनलगि
अपन कठोर आउर तोबाह नहि करनिहार मनकेर बै
६ सन् अपना लेल गजबके जमा करहथि। का ये प्रतिअद्मी
७ के उन्हकन्हिका कामकेर फल देतैखन्। ये सहनिहार होक
रिके सदा अच्छा काम कैलासे मोच्छ आउर मर्यादा आउर
अमरपना खोजहथि उन्हकन्हिके अपार आर्ब्बल देतैखन्।
८ परन्तु ये झगराउ आउर सचौटाइ नहि मानैतथि परन्तु

अनोचित काम मानछथि यिऊदी ग्रीक वगैरह् आउर देखि
९ न्ह येतना बदकाम करनिहार उन्हकन्हिके तंमि आउर
१० गजब आउर दुख आउर कष्टतरह् दंड देतैखन्। किन्तु यिऊ
दी ग्रीक वगैरह् आउर येतना भला काम करनिहार अदमो
छथि उन्हकन्हिके मोच्छ आउर मर्याद आउर कुशलतरह्
११ फल देतैखन्। काहेका ईश्वरका आगा पच्छदारी नहि छय।
१२ ये दिन यिशु ख्रीष्टका मारफत ईश्वर हमरा मंगलसमाचार
केर ओसन् अदमिन्हकेर भाँपल काम तजबीज करतैखन्।
१३ उअह् दिन जिन्हकन्हि बेतौरेत पाप कैलखन्ह उन्हकन्हि
केर बिनाश तौरेतः बिना होतैखन् आउर जिन्हकन्हि तौ
रेत पौलें पाप कैलखन्ह उन्हकन्हिकेर तजबीज तौरेतकेर
१४ ओसन् होतैखन्। काहेका तौरेत सुननिहार ईश्वरका
आगा साधु कैल जाथि नहि परन्तु तौरेतकेर करनिहार
१५ साधु कैल जेता। आउरदेखिन्ह अदमी का जिन्हकन्हिका
तौरेत नहि छय उन्हकन्हि जब अपना सुभावसे तौरेत
केर काम करछथि तब उन्हकन्हि अपना मनमे लिखले
१६ तौरेतकेर काम प्रत्यछ कैलापरे आउर उन्हकन्हिकेर वि
चार शक्ति गोआहिआ कैलासे आउर उन्हकन्हिकेर ज्ञान
परस्पर कलंक किंवा सबब बात कैलासे तौरेत पौला बिना
१७ अपन् तौरेत अपनहि होछथि। देखह् तोह् यिऊदी
नामूद छथि आउर तौरेतपरे बिश्वास करछथि आउर
१८ ईश्वरका विषयमे अहंकारकेर बात कहछथि। आउर
शास्त्र जाननिहार होकरिके ओकर इच्छा जाननिहार
१९ छथि आउर ठेर उत्तम कामकेर बिचार करछथि। आउर
अंधरा अदमीके राहि बतौनिहार आउर अंधारमे रह
निहारन्हिके इंजोर आउर बेवकूफन्हिकेर पढ़ौनिहार
२० आउर बूतरन्हिके सिखौनिहार छथि। आउर ज्ञान
आउर तौरेतकेर सचौटाई तरह् डौलका तोहर छथि

२१ थिक् सभन्हिमे निश्चय कैले हथि। एकरैलेल हे दोस
राकेर सिखैनिहार तोहू का अपनाके सिखलाव नहि
तोहू ये उपदेश करहह् का अदमीका चोरिकरनै उचित
२२ नहि का चोरि करहह्। छिनरपन् मना करनिहार
तोहू का छिनरपन् करहह् हे देवताकेर घिनैनिहार तोहू
२३ का ईश्वरके देल चोग सहजतरह् व्यवहार करहथि। हे
शास्त्र जनलामे अहंकारी तोहू का शास्त्र लंघलासे ईश्वरकेर
२४ अपमान करहह्। काहेका जैसन् लिखल हय तैसन् आउर
देशिन्हका बीचमे ईश्वरकेर नाव तोहरन्हिका करैते निंदा
२५ कैलखन है। काहेका तोह जैयो तौरेत पालहह् तैयो तोह
रा सुनतसे लाभ हय सही परन्तु तौरेत लांघनिहार भेला
२६ से तोहर सुनत बेसुनत होइय। एकरासे बेसुनतवाला
जैयो तौरेतकेर धर्म्म पालथि तैयो ओकर गरसुनतका
२७ सुनततरह् मानल जायेत नहि। तोह् अक्षर आउर सु
तके अभिनान् करिके तौरेतके लांघहह् एकरै लेल सुभावसे
जन्मल ये गरसुनत उअह् जव शास्त्रकेर धर्म्म पालण कर
थि तैया बिचारसे उअह् का तोहर् कलंक निश्चय नहि कर
२८ ता। काहेका प्रत्यक्ष ये यिऊदी उअह् यिऊदी नहि आउर
२९ मासकेर ये सुनत से सुनत नहि। किन्तु भीतरमे ये यिऊदी
ओहे यिऊदी आउर सुनत मनकेर अक्षरकेर नहि किन्तु
आत्माकेर का येकर शुभनामी अदमीसे नहि होथे किन्तु
ईश्वरसे होइय।

३ तेसरा पर्व्व।—तैयो यिऊदीका का लाभ आउर सु
२ नतकेर का लाभ। सभे तरहसे ढेर पहिलहि यिह् ईश्व
रकेर सुफल बात उन्हकन्हिका आगा देल गेलैखन्। का
३ हेका उन्हकन्हिका बीचमे जेयो केउर प्रतित नहि कैलखन्
तैयो ईश्वरमे ये विश्वास उन्हकन्हिकेर अविश्वास का उअह्

४ बिश्वासकि ब्यर्थ करिसकइथि। उअह् जनु होओ ईश्वर साच
कहनिहार तरहसे आउर प्रति अद्मी झुठ कहनिहार
तरहसे मानल जैता जैसन् यिह् लिखल हय का तोह् अप्ना
बातमे साधु कैल जाह् आउर बिचार कैलजाकरिके जित
५ यि। किन्तु हमरन्हिकेर बेसाधपना जेयो ईश्वरकेर साध,प
नाकेर बडाई करथि तैयो हमरन्हि का कहब फलदेनिहार
ईश्वर का बेसाध हथि से नहि होअथि हम अद्मीकेर ऐसन्
६ कहछी उअह् भेजासे ईश्वर संसारकेर बिचार कौन् तरह्
७ करता। काहेका ईश्वरका बडाईकेर लेल हमर ये झुठबात
उअह् बातसे ईश्वरकेर सचौटाई जेयो अधिक पसरल रहे
तैयो हम गुनाहगारकेर ऐसन् काहेलेल बिचार कैलजाई।
आउर केतनार अद्मी का जिन्हकन्हिका नर्ककेर कष्ट पावने
८ उचित हय उन्हकन्हि हमरन्हिका कलंककेर लेल निश्चयकरि
के जैसन् कहइथि का हमरन्हि कहछी या सुघरकेर लेल हम
रन्हि बुरा काम करी उअह् बातका बरोबर बलिक हमर
९ न्हि बिचार केजे काहे नहि होइथि। तैयो काहे हमरन्हि
उन्हकन्हिसे भला उअह् कौनो तरह् नहि हथि काहेका
हमरन्हि साबूत पहिले देलहो या यिहूदी आउर अन्यदे
१० शिन्ह अद्मिन्ह सभे पापका अधिन भेलाह। जैसन् यिह्
११ लिखल हय साध केउ नहि एक अद्मीओ नहि। अकिलगर
१२ केउ नहि ईश्वरकेर खोजनिहार केउ नहि। उन्हकन्हि
सभे राहि छोडलखन्ह उन्हकन्हि सभे कर्म्मरहित भेलहथि
१३ नेक कामकरनिहार केउ नहि एक अद्मीओ नहि। उन्ह
कन्हिकेर नरेटी खूलल गोरि हय उन्हकन्हि जीहसे भूलैल
खन्ह उन्हकन्हिका ओठपरे कालसांपकेर जहर हय।
१४ उन्हकन्हिकेर मूंह सराप देलासे आउर कडुआईमे भर
१५ ल हथि। उन्हकन्हिकेर गोड खूनकेलामे शिघ्रगामी हय।

१६ उन्हकन्हिका चललामे विनाश आउर अमंगल रहइय।
१७ आउर कुशलकेर राहि उन्हकन्हि जानथि नहि। ईश्वरका
१८ विषयमे उन्हकन्हिका आंखिका कक्कुयो डर नहि हय। हम
रन्हि जानही का तोरेत ये कहइथि उअह् तोरेतकेर अ
१९ धिन अद्‌मिन्हके कहइथि का प्रति मुंह बंद होय आउर
२० सगरो संसार ईश्वरका नजीक दोषी होअथि। एकरैलेल
तोरेतका कामसे ओकरा आंखिका आगा कोनो प्राणी साध
२१ केल जैता नहि काहेका तोरेतसे पाप जानल जाहय। किन्तु
अब ईश्वरकेर ये साधपना तोरे छोडि हय उअह् धर्म्म तो
रेतसे आउर नबिन्हका बातन्हिसे साबूत देल जायेत प्रत्यक्ष
२२ हय। अर्थात् ईश्वरकेर ये धर्म्म यिशु खीष्टपरे बिश्वाससे
सभे बिश्वासकरनिहारन्हिका आगा आउर सगरो बिश्वास
करनिहारन्हिपरे हय काहेका कक्कुयो जुदाई रहे नहि।
२३ काहेका सभन्हि पाप कैलछन्ह आउर ईश्वरकेर महिमा
२४ प्रकाशसे कसूरकैखन्ह। ओकरा अनुग्रहसे खीष्ट यिशु
२५ मे ये मुक्ति ओकरासे हमरन्हि मुक्ति साधकैलही। का
ईश्वरका क्षमासे पहिलेकेर कैल पाप छोडैलाका राहिसे
ओकर साधपना जनावैकेर लेल येकराके ईश्वर ओकरा
लोऊसे संतुष्ट करनिहार बलिदान मोकरर् कैलखन्
२६ ह। अर्थात ओकर साधपना यिह् समयमे जनावैकेर लेल
का उअह् साधु होअथि आउर ये अद्‌मी यिशुपरे बिश्वास
२७ करहथि ओकराके साध करनिहारभो होअथि। तैयो
अहंकार करनै कहां उअह् छेकल हथि कोनो फतुआसे
२८ कामकेर से नहि परन्तु बिश्वासकेर फतुआसे। एकरैलेल
हमरन्हि निश्चय जानही का अद्‌मी तोरेतके काम छोडि
२९ बिश्वासका वसीलासे साधु कैल जाहथि उअह् का खाली
यिहूदिन्हकेर ईश्वर हथि उअह् का आउर देशिन्हकेर
ईश्वर नहि हथि उअह् अवश्य आउर देशिन्हकेर ईश्वरभो

३० छथि। ये सूनतन्हिके विश्वाससे आउर बेसूनतन्हिके विश्वास
३१ से साध करतैखन् उअह् एक ईश्वर छथि। तैयो हमरन्हि
विश्वाससे का तौरेत व्यर्थ करछी उअह् जनु होवै। बल्कि
हमरन्हि तौरेत कायम करछी।

४ चौठा पर्व्व।—तैयो हमरन्हि का कहब का देहका
विषयमे हमरन्हिकेर पित्र अब्राहाम पौलखनह काहेका
२ अब्राहाम जैयो कामसे साधु कैलहोऔतथि तैयो ओकरा
अंहाकारकेर बात कहैकेर कारण होइत किन्तु ईश्वरका
३ आगा नहि। काहेका धर्म्मपुस्तकमे का कहछथि अब्रा
हाम ईश्वरपरे विश्वास कैलखन् आउर उअह् विश्वास
४ धर्म्मतरह ओकरा आगा गणल गेलहल। ये तौरेवकेर
काम करछथि ओकरा आगा फल अनुग्रहसे देल फलकेर
बोचमे गणल जाय नहि किन्तु उधारसे।
५ परन्तु ये अदमी कर्म्म नहि करछथि किन्तु ये असेवकन्हि
के साधु करछथि ओकरा परे विश्वास करछथि ओकर
६ विश्वास साधपनाका तरह गणलजाथि। दाउद जैसन्
यिह् बात कहिकरिके से अदमीका उपरे ईश्वर कर्म्मविना
७ धर्म्मकेर हिसाब करछथि उअह् अदमीका आशीर्वादकेर
प्रशंसा करछथि जिन्हकन्हिका साधपनाकेर क्षेमा भेलोखन्
आउर जिन्हकन्हिकेर पाप झांपलहय उन्हकन्हि धन्य छथि।
८ येकर पाप ईश्वर हिसाब नहि करता उअह् धन्यछथि।
९ तैयो यिह् आशीर्वाद का खालो सूनतपरे होहय किम्वा
बेसूनतपरेभी होहय काहेका हमरन्हि कहछी का बिश्वास
१० अब्राहामका उपरे धर्म्मतरह् हिसाब कैलगेल। तैयो
उअह् कैसन् हिसाबकैल गेल ओकर सूनतहोअैका बेरि
किम्वा बेसूनतकेर रहैकेर बेरिमे सूनतहोअैका बेरिमे नहि
११ परन्तु बेसूनतका बेरिमे। आउर उअह बेसूनतकेर

होकरिकै ओकर ये बिश्वास हलैखन् उअह् बिश्वास तरह्
साधयनका मोहरतरहूसे सुनतकेर चिन्ह पौलखन्ह का
येतना अद्मी बिश्वास करहथि ओऊ जैयो बेसूनतकेर
होअथि तैयो उअह् उन्हकन्हिकेर पित होअथि का धर्म्म
१२ उन्हकन्हिपरेभी हिसाब कैल जाय। आउर ये खाली सून
तभी नहि हय किन्तु बेसूनत रहैका बेरिमे हमरन्हिकेर
पित अब्राहामकेर ये बिश्वास हलैखन् उअह् बिश्वासकेर
गोडचिन्ह पकरके जाथि उन्हकन्हिकेर लेलभो का सूनतन्हि
१३ केर पित होअथि। काहेका उअह् करार का अब्राहाम
संसारकेर अधिकारी होता उअह् ओकराके आउर ओक
रा बंशन्हिके तौरेतका कामका राहिसे देल गेला नहि किन्तु
१४ बिश्वासतरह् साधयनका राहिसे। काहेका तौरेतकेर काम
करनिहारन्हि जैयो अधिकारि होअथि तैयो बिश्वास ब्यर्थ
१५ हय आउर करार ब्यर्थ कैल जाहय। तौरेत गजब जन्माव
हथि काहेका ये जगह् तौरेत नहि उअह् जगह्मे तौरेत
१६ लंघनाभी नहि हय। हकरासे उअह् बिश्वाससे होअथि
का फल अनुग्रहसे होवे का उअह् करार सगरो बंशका
उपरे कायम होवे ये बंश तौरेतका अनुसार हय खाली
उन्हकन्हिपरे नहि किन्तु अब्राहामका बिश्वासका तरह
ये बंश भेल हय ओकरा उपरऊ कायम होये का ये ईश्वर
१७ का आगा हमरन्हिकेर पित हथि। का ये मरल अद्मि
न्हके जीवाय हथि आउर येर चीज नहि हय उन्हकन्हि
होनिहार चिजन्हकेर ऐसन् कहहथि ओकरा आगा जै
सन् यिह् बात लिखल गेलहय का तोहराके ढेर देशन्हकेर
१८ बंश हम कैलूंह्। जैसन् यिह् कहलखन्ह का तोहर बंश
वैसन होता ये भरोसाकेर मुद्दयियन्मे भरोसा करिकै
बिश्वास कैलखन् का उअह् उअह् ढेर देशकेर अद्मि
१९ न्हका पित होअथि। ये बिश्वासका विषयमे दूबर नहि

छोकरिके एक सौ बरिसका उमरकेर लगभग भेलापरे अपने
मरलाकेर ऐसन् देह् आउर सारा केर नारिकेर सुखल
२० जननेभौ विचार नहि कैलखन्। उअह् यरविश्वाससे
ईश्वरका करारसे डगमग नहि भेला किन्तु ईश्वरकेर महि
मा करैत आउर उअह् ये करार कैलखन् हल उअह् का
२१ सिद्धकरि सकथि एकरामे सन्देह करनिहार नहि छोकरि
२२ थि विश्वासमे बलगर हला। ओहे लेल धर्म तरह् उअह्
२३ विश्वास ओकरा परे हिसाब कैलगेल। उअह् का ओक
रापरे हिसाब कैल गेल यिह् खाली ओकरा लेल नहि लि
२४ खल हल। परन्तु हमरन्हियोकेरभी लेल का जिन्हकन्हिका
उपरे उअह् हिसाब कैल जायेत् जैथा हमरन्हि ओकराप
रे विश्वास करी ये हमरन्हिकेर प्रभु यिशुके मरलासे उठा
२५ लखन्ह। ये हमरन्हिका पापकेर लेल दुःख पाविकेर लेल
सौंपल गेला हला आउर हमरन्हिके साधु करैकेर लेल दु
सरा बेरि उठालखन् हला।

५ पचवां पर्ब्ब।—एकरैलेल हमरन्हि विश्वाससे साधु
कैलापरे हमरन्हिकेर प्रभु यिशु खीष्टका मार्फत ईश्वर
२ का साथे मेलि पावहथि। येकरा वसीलासे हमरन्हि
ये अनुग्रहपरे कायम हो उअह् अनुग्रहमे विश्वास करै
केर वसीलासे हेल पावहो आउर ईश्वरकेर सुख पाविकेर
३ भरोसापरे खोशी करहो। आउर खाली यिह् नहि पर
४ न्तु दुःख का बरदाश्तके पैदा करहथि आउर बरदाश्तका
परिछाके पैदा करहथि आउर परिछा भरोसाके पैदा
५ करहथि आउर भरोसा का लाज जन्मैथि नहि। काहेका
हमरन्हिके देल धर्मात्मासे ईश्वरकेर प्रेम हमरन्हिका
मनमे छितरायल यिह् सभे जानिकरिके हमरन्हि दुर्दशा
६ मे साहसिक होहो। काहेका हमरन्हिका निर्बल होयेका

बेरिमे उचित समयमे ईश्वरकेर टहल नहि करनिहारन्हि
७ केर लेल खीष्ट मरला। साधु अदमीकेर लेल प्राय कारिकेभी
केउ नहि मरता तैयो मंगल करनिहार अदमीकेर लेल केउ
८ मरैके कदाचित साहस करसकइथि । किन्तु ये समयमे ह
मरन्हि पापी हलूं उअह् बेरिमे खीष्ट हमरन्हिकेर लेल म
रला एकरासे ईश्वर हमरन्हिका दिशि अपना प्रेमकेर बडा
९ ई कैलखन्। एकरैलेल अब हमरन्हि ओकरा लोऊसे साध
कैल होकरिके ओकरा मार्फत गजबसे बलिक उद्धार पैता।
१० काहेका हमरन्हि दुश्मन होकरिके ईश्वरका बेटाका मृत्युसे
ईश्वरका साथे उअह् बेरिमे मिलल हला ओकरऊसे मि
लल हला ओकरा जीअतसे हमरन्हि बलिक रक्षा पायेब।
११ आउर खाली उअहभो नहि किन्तु हमरन्हिकेर प्रभु यिशु
खीष्टका वसीलासेभो हमरन्हि ईश्वरमे साहसिक होहो
वा येकरासे हमरन्हि अब प्रायश्चित्तकेर फल पावलहो।
१२ एकरासे जैसन् एक अदमीका मार्फत संसारमे पाप हेलल
आउर पापसे मृत्यु हेलल आउर ओकरासे सभे पापकर
१३ निहार भेलापरे मृत्यु सभन्हिपरे आयेल। काहेका तौरेत
प्रत्यक्ष लगि पाप संसारमे हल परन्तु जहां तौरेत नहि
१४ उंआ पाप हिसाब कैल जाय नहि। किन्तु जिन्हकन्हि आदम्
के पाप तरहसे पाप नहि कैलखन्हल का ये ओकर उपमा
का येकर आवने होनिहार हय उन्हकन्हियोपरभी आ
१५ दमसे मोशहलगि मृत्यु राज कैलखन्। किन्तु येतरह्
दोष तेहीतरह् मुक्ति दान् नहि काहेका जैयो एक अद्मी
का दोषसे ढेर मरला हल तैयो ईश्वरका अनुग्रहसे आ
उर अनुग्रहसे ये दान् एक अदमीका मार्फत अर्थात् हम
रन्हिकेर प्रभु यिशु खीष्टका मार्फत हथि बलिक ओकरा
१६ से अधिक ढेरन्हिपरे अधिक हथि। आउर एक अद्
मीकेर पापसे जैसन् हला दान वैसन् नहि काहेका एक

गुनाहसे दंड देवालगि ऊकुम हल किन्तु मुक्ति दान् ढेर
१७ दोषका बिनाश्नकेर लेल साध करैलगि छथि। काहेका
जैयो एक अद्मीका दोषका वसीलासे मृत्यु एकसे राज
कैलखन् तैयो ये अनुग्रहकेर अधिकता आउर साधपना
दान पावछथि उन्हकन्हि कैतना अधिक एकका वसीलासे
अर्थात् यिशु ख्रीष्टका वसीलासे जीअतमे राज करता।
१८ एकरैलल जैसन् एक अद्मीका दोषसे सगरो अद्मिन्हके
दंड देवालगि तजबीज भेल ओहितरह् एक अद्मोके धर्म्म
१९ से साध करैलगि मुक्ति दान् सभेका उपरे आएल। काहे
का एक अद्मीका ईश्वरकेर ऊकुम नहि मानलासे जैसन्
ढेरन्हि पापी कैल गेलाहल तैसहि एक अद्मीका ईश्वर
२० केर ऊकुम मानलासे ढेर साध कैल जैता। दोष अधिक हो
हय एकरैलेल तोरेत पऊंचला किन्तु ये जगहमे पापकेर
अधिकता हल उअह् जगहमे अनुग्रहकेर अधिकता अधिक
२१ हल। का जैसन् पाप मृत्युलगि राज कैलखन्हल तैस
हि साधपनासे अपार जीवनलगि हमरन्हिकेर प्रभु यिशु
ख्रीष्टका वसीलासे अनुग्रह् राज करथि।

६ छठवां पर्ब्ब।—तैयो हमरन्हि का कहब अनुग्रहकेर
अधिकता होअैकेर लेल का हमरन्हि पाप करब से नहि
२ होये। हमरन्हि का ये पापके दिशि मरलही कैसे ओकरा
३ मे आउर यवहार करब। तोहरन्हि का जान नहि का हम
रन्हिका बीचमे जेतना अद्मी यिशु ख्रीष्टमे गोता मारले
४ हला तेतना ओकरा मरलामे गोता मारल हला। एक
रासे हमरन्हि मृत्युमे गोता मारले भेलासे ओकरा साथे
गोरिमे गाडल जाइछथि का जैसन् महतारका तेजसे ख्रीष्ट
मृत्युसे उठावलहला तैसहि हमरन्हियो नवा यवहारमे
५ चलल्। जैयो ओकरा मरलाकेर जैसन् हमरन्हि एकठा